अखाम लक्ष्मी देवी
अकादेमी पुरस्कारः मणिपुरी

AKHAM LAKSHMI DEVI
Akademi Award: Manipuri

Born on 1 May 1952 in Imphal, Manipur, Shrimati Akham Lakshmi Devi received her training in Manipuri dance under Gurus Amubi Singh, Tomba Singh and Th. Babu Singh. Later she specialized in the art form from Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy, Imphal.

Shrimati Akham Lakshmi Devi has performed in several prestigious dance festivals such as the Bhagyachandra national dance festival, dance festivals organized by the Manipur State Kala Akademi, and by Sangeet Natak Akademi. She has won critical acclaim as a dancer for performance in the dance productions of Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy, Imphal such as *Keibul Lamjao*, *Ramayan*, *Lei Langba*, *Moirang Sha* and *Geet Govinda*. She has played major roles in most of the dance-drama productions of JNMDA's production unit from 1979 to 2012. Shrimati Lakshmi has toured extensively with the production unit of JNMDA both in India and abroad for performances in France, erstwhile USSR, U.K., China, Korea, South Africa, Sri Lanka, etc.

Shrimati Akham Lakshmi Devi has received several honours including the Manipur State Kala Akademi Award (2010), and the Nritya Bhusan (2014).

Shrimati Akham Lakshmi Devi receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for her contribution to Manipuri dance.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

इंफाल, मणिपुर में 1 मई 1952 को जन्मी श्रीमती अखाम लक्ष्मी देवी ने अमुबी सिंह, तोम्बा सिंह और ठ. बाबू सिंह के मार्गदर्शन में मणिपुरी नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में आपने जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य एकेडमी, इंफाल से इस कला में विशेषज्ञता प्राप्त की।

श्रीमती अखाम लक्ष्मी देवी ने कई प्रतिष्ठित नृत्य उत्सवों यथा भाग्यचंद्र राष्ट्रीय नृत्य उत्सव, मणिपुर राज्य कला एकेडमी और संगीत नाटक अकादेमी द्वारा आयोजित नृत्य उत्सवों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं। आपने जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य एकेडमी, इम्फाल की नृत्य प्रस्तुतियों यथा केइबुल लमजाओ, रामायण, लेई लांगबा, मोइरंग शा और गीत गोविन्द के माध्यम से बतौर नृत्यांगना आलोचकों की प्रशंसा अर्जित की है। आपने 1979 से 2012 तक जेएनएमडीए की उत्पादन इकाई के अधिकांश नृत्य-नाटकों में प्रमुख भूमिकाएँ अदा की हैं। श्रीमती लक्ष्मी ने फ्रांस, तत्कालीन यूएसएसआर, इंग्लैंड, चीन, कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका आदि देशों के साथ ही भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जेएनएमडीए की उत्पादन इकाई के सदस्य के रूप में बड़े पैमाने पर प्रस्तुतियों के लिए यात्राएँ की है।

श्रीमती अखाम लक्ष्मी देवी को मणिपुर राज्य कला अकादमी पुरस्कार (2010), और नृत्य भूषण (2014) सहित कई सम्मान मिले हैं।

मणिपुरी नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए श्रीमती अखाम लक्ष्मी देवी को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018